बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार

विश्व हाथी दिवस

World Elephant Day

12-अगस्त-2025

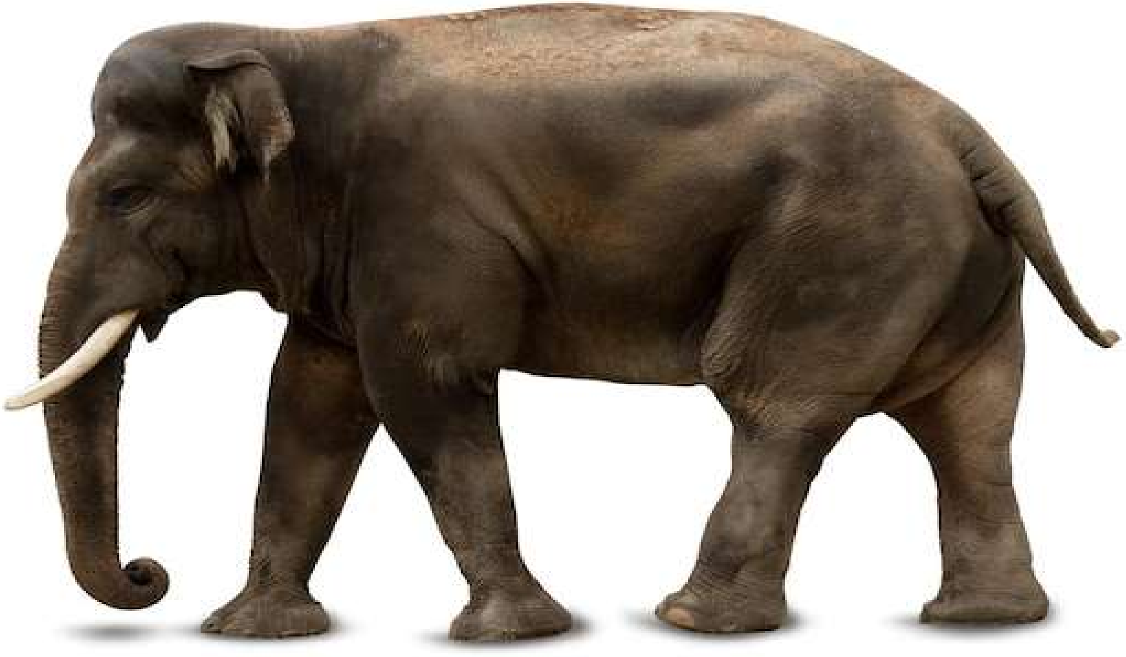

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना

SANJAY GANDHI BIOLOGICAL PARK, PATNA

हाथी का वैज्ञानिक वर्गीकरण

Scientific Classification of Elephant

Kingdom	Animalia	जन्तु
Phylum	Chordata	रीढ़धारी
Class	Mammalia	स्तनधारी
Order	Proboscidea	सूंडधारी
Family	Elephantidae	हाथी कुल
Genus	*Elephas/Loxodonta*	-
Species	*Elephas maximus*	एशियाई हाथी
	Loxodonta africana	अफ्रीकी सवाना/ बुश हाथी
	Loxodonta cyclotis	अफ्रीकी वन हाथी

- विश्व में तीन प्रजाति के हाथी पाये जाते है।
- एशियाई हाथी (*Elephas maximus*) में चार उप-प्रजातियाँ पायी जाती है-
  - भारत में *Elephas maximus indicus,*
  - श्रीलंका में *Elephas maximus maximus,*
  - इंडोनेशिया में *Elephas maximus sumatranus*
  - बोर्नियो क्षेत्र में *Elephas maximus borneensis*

विश्व हाथी दिवस

World Elephant Day

12-अगस्त

सामान्य जानकारी

हाथी पृथ्वी का सबसे बड़ा स्थलीय स्तनधारी है। यह अपनी लंबी सूंड, बड़े कान और दाँत (नर में विकसित दाँत – टस्क) के लिए प्रसिद्ध है।

ऊँचाई:	2–4 मीटर (कंधे तक)
वज़न:	2,000–6,000 किलोग्राम
आयु:	औसतन 60–70 वर्ष
सूंड का उपयोग:	सांस लेने, पानी पीने, वस्तुएँ उठाने, आवाज निकालने और सामाजिक संकेतों के लिए।
कान:	शरीर का तापमान नियंत्रित करने और सुनने में सहायक।
आहार:	पूर्णत: शाकाहारी (पत्ते, घास, छाल, फल, जलीय पौधे) एक दिन में 150–200 किलोग्राम तक भोजन और 100–150 लीटर पानी पी सकते हैं
सामाजिक संरचना:	मादा व बच्चे झुंड में रहते हैं (मुख्यतः मादा प्रधान समूह – Matriarchal Herd) वयस्क नर आमतौर पर अकेले या छोटे समूह में रहते हैं।
प्रजनन:	गर्भावधि अवधि लगभग 22 माह (स्तनधारियों में सबसे लंबी) एक बार में प्रायः एक ही बच्चा जन्म लेता है।
आवास:	उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय वर्षावन (घास के मैदान , झाड़ीदार वन), सवाना (घास और बिखरे पेड़ वाले क्षेत्र), घने उष्णकटिबंधीय वर्षावन

संरक्षण स्थिति (IUCN): **एशियाई हाथी:** संकटग्रस्त (Endangered)
अफ्रीकी सवाना/बुश हाथी: संकटग्रस्त (Endangered)
अफ्रीकी वन हाथी: अति संकटग्रस्त (Critically Endangered)

विश्व हाथी दिवस
World Elephant Day
12-अगस्त

हाथियों की प्रजातियाँ, उप-प्रजातियाँ और वर्तमान अनुमानित संख्या

प्रजातियाँ	उप-प्रजाति का नाम	वैज्ञानिक नाम	प्रमुख क्षेत्र	IUCN स्थिति	अनुमानित जनसंख्या (2024-2025)
एशियाई हाथी	भारतीय हाथी	*Elephas maximus indicus*	भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश	संकटग्रस्त (Endangered)	लगभग 48,000 – 52,000 (जिसमें से लगभग 60% भारत में)
	श्रीलंकाई हाथी	*Elephas maximus maximus*	श्रीलंका		
	सुमात्राई हाथी	*Elephas maximus sumatranus*	इंडोनेशिया (सुमात्रा)		
	बोर्नियो हाथी	*Elephas maximus borneensis*	बोर्नियो (मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई)		
अफ्रीकी बुश (सवाना) हाथी	-	*Loxodonta africana*	केन्या, तंज़ानिया, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया	संकटग्रस्त (Endangered)	लगभग 4,15,000 – 4,20,000
अफ्रीकी वन हाथी	-	*Loxodonta cyclotis*	गैबोन, कांगो, कैमरून, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी	Critically Endangered	लगभग 95,000 – 1,00,000

हाथियों की प्रजातियाँ एवं उप-प्रजातियाँ

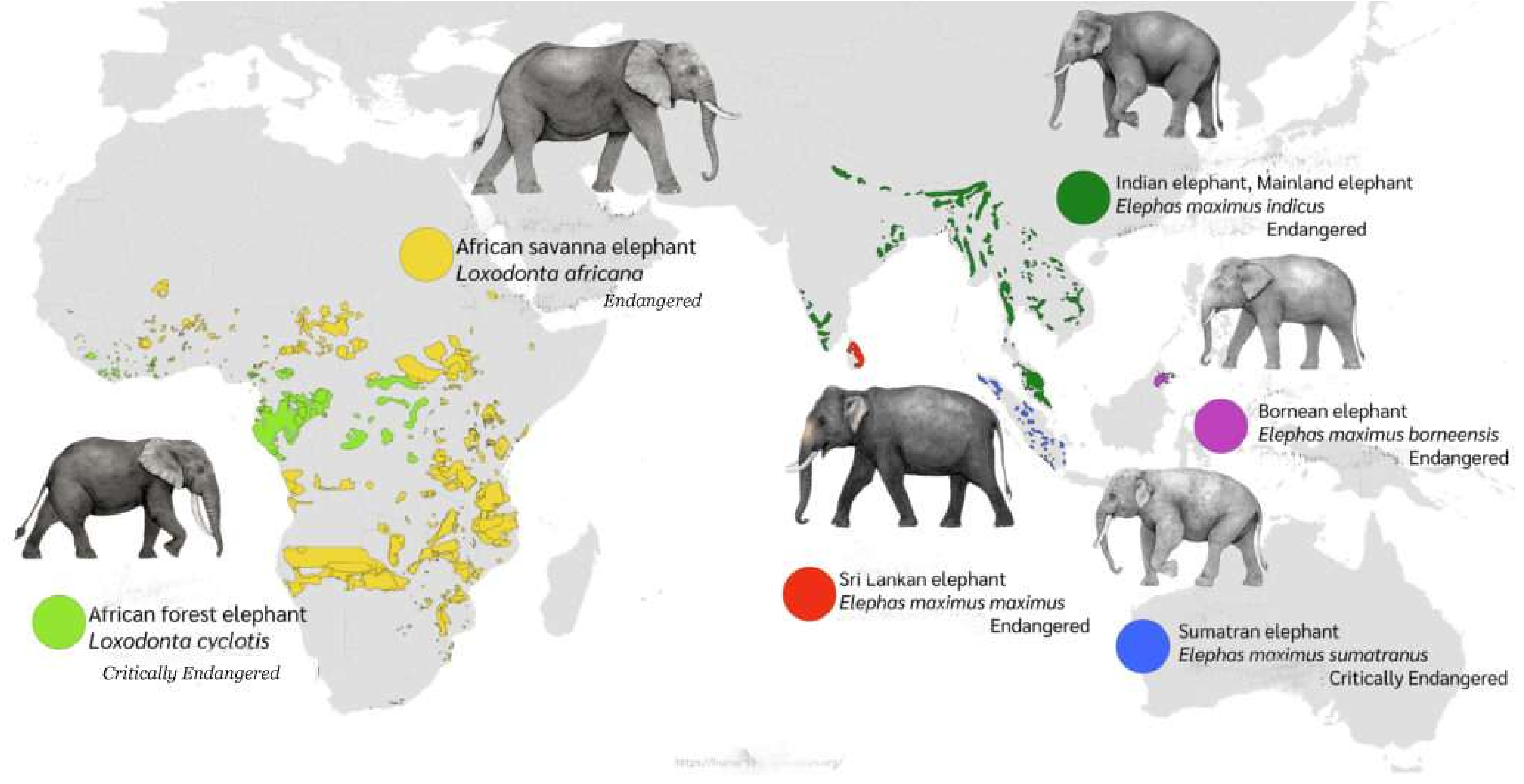

एशियाई और अफ्रीकी हाथियों की विशेषताएँ

विशेषता	एशियाई हाथी	अफ्रीकी हाथी
आकार	अपेक्षाकृत छोटा (ऊँचाई 2–3.5 मी.)	बड़ा (ऊँचाई 3–4 मी.)
वज़न	नर: 4,000–5,500 किग्रा मादा: 2,000–3,500 किग्रा	नर: 4,500–7,000 किग्रा मादा: 2,700–3,600 किग्रा
कान	छोटे और गोल आकार के	बहुत बड़े, पंखे जैसे
सूंड के सिरे	एक “फिंगर” जैसी लचीली संरचना	दो “फिंगर” जैसी लचीली संरचनाएँ
हाथी दाँत (Tusks)	मुख्य रूप से नर में, मादा में बहुत छोटे या नहीं होते	नर और मादा दोनों में विकसित
सिर का आकार	ऊँचा, गुंबदनुमा, दो गुंबद जैसे उभार	अधिक चौड़ा और एकल गुंबद जैसा
पीठ का आकार	थोड़ी मुड़ी हुई (Convex)	सीधी या हल्की धंसी हुई (Concave)
त्वचा	अपेक्षाकृत चिकनी	अधिक झुर्रीदार
प्रजातियाँ/उप-प्रजातियाँ	1 प्रजाति – 4 उप-प्रजातियाँ	2 प्रजातियाँ – सवाना और वन हाथी
वितरण क्षेत्र	दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया	उप-सहारा अफ्रीका

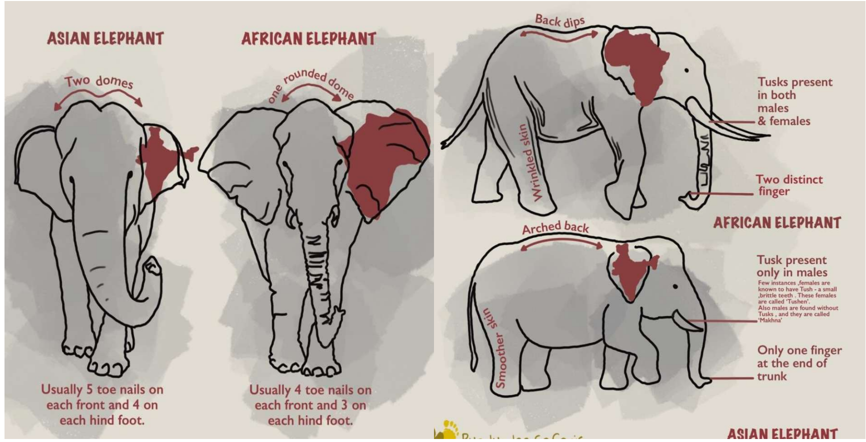

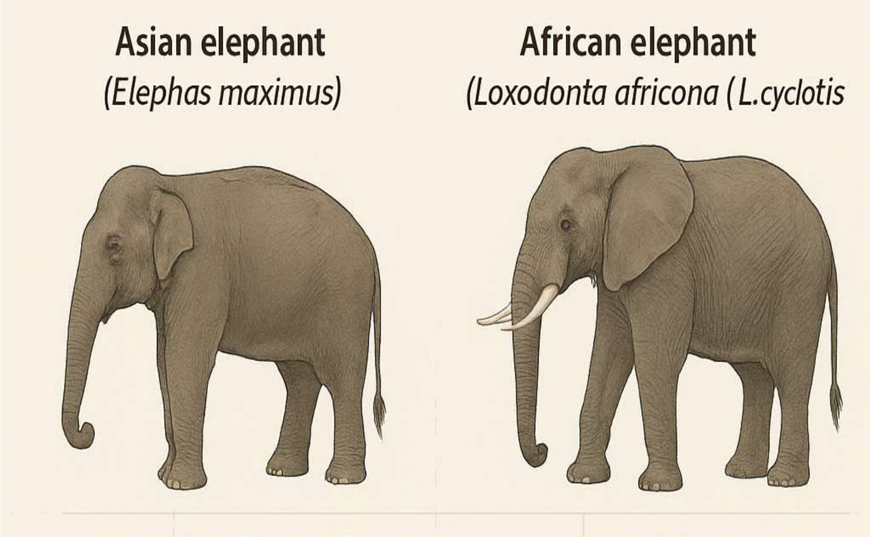

हाथियों की प्रजातियाँ, उप-प्रजातियाँ

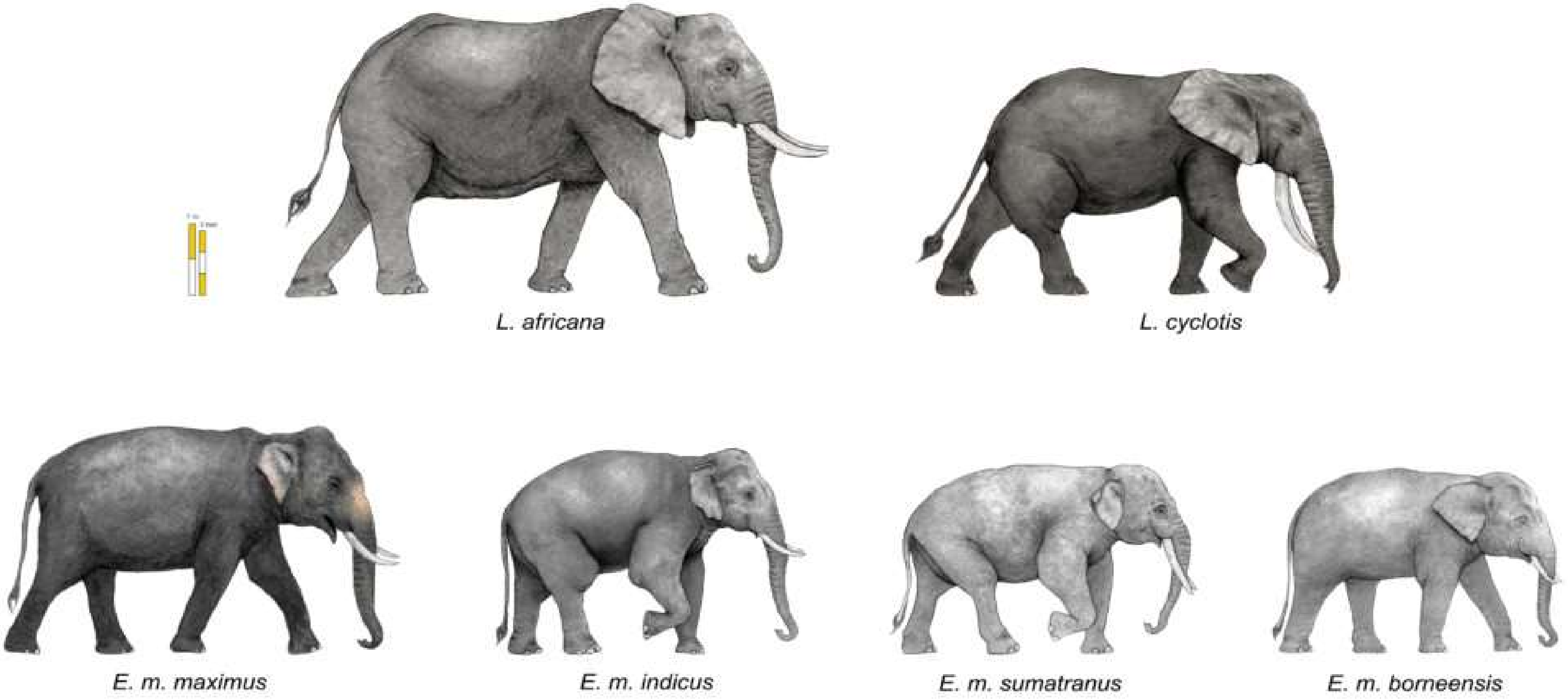

अफ़्रीकी हाथियों की तुलना (अफ़्रीकी सवाना बनाम वन हाथी)

विशेषता	अफ़्रीकी सवाना हाथी (*Loxodonta africana*)	अफ़्रीकी वन हाथी (*Loxodonta cyclotis*)
आकार	सबसे बड़ा स्थलीय जीव, नर लगभग 4 मीटर ऊँचे	छोटे आकार के, नर लगभग 2.5 मीटर ऊँचे
कान	बड़े, अफ्रीका महाद्वीप के आकार जैसे	छोटे और गोलाकार
दाँत	बाहर की ओर मुड़े हुए	सीधे, नीचे की ओर झुके हुए
आवास	घासभूमि, सवाना, खुले वन क्षेत्र	मध्य एवं पश्चिम अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वन
आवास के अनुसार अनुकूलन	खुले घास के मैदान और वन; 50–80 किमी/दिन यात्रा	घने, आर्द्र वर्षावन; धीमी और सतर्क गति
भोजन की पसंद	घास, पत्तियाँ, छाल और जड़ें	फलों से भरपूर आहार, बड़े बीज फैलाना
सामाजिक संरचना	बड़े झुंड (100+ सदस्य प्रवास में)	छोटे झुंड (2–8 सदस्य)
स्वभाव	खुले में रहने वाला, कभी-कभी मनुष्यों का आदी	शर्मीला, मनुष्यों से बचने वाला
संचार के तरीके	तुरही जैसी तेज आवाज़ और निम्न आवृत्ति पुकार	निम्न आवृत्ति गूँज और ज़मीन कंपन से संदेश
पारिस्थितिकी में अनोखी भूमिका	पेड़ गिराकर घासभूमि बनाना, जलकुंड खोदना	‘वन का माली’ – बीज फैलाकर वन की विविधता बनाए रखना
आयु और खतरे	आयु 60–70 वर्ष; शिकार और आवास हानि	आयु ~60 वर्ष; अधिक शिकार, दाँत अधिक मूल्यवान

Scientific Classification Indian Elephant (*Elephas maximus indicus*)

भारत सरकार ने 2010 में हाथी को देश का राष्ट्रीय धरोहर पशु (National Heritage Animal) घोषित किया है।

Kingdom (जगत): Animalia (जीव-जगत)

Phylum (संघ): Chordata (रीढ़धारी)

Class (वर्ग): Mammalia (स्तनपायी)

Order (गण): Proboscidea (सूंडधारी)

Family (कुल): Elephantidae (हाथी कुल)

Genus (वंश): *Elephas*

Species (प्रजाति): *Elephas maximus* (एशियाई हाथी)

Subspecies (उप-प्रजाति): *Elephas maximus indicus*(भारतीय हाथी)

भारत में इनका वितरण चार प्रमुख क्षेत्रों में है:

1.पूर्वोत्तर भारत – असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम

2.मध्य एवं पूर्वी भारत – झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़

3.उत्तर-पश्चिम भारत – उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश

4.दक्षिण भारत – कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश

विश्व हाथी दिवस

World Elephant Day
12-अगस्त

भारतीय हाथी (Indian Elephant) – नर, मादा और मखना

प्रजातियाँ	ऊँचाई	वजन	विशेषता
नर हाथी (Male Elephant – Bull)	2.7 – 3.2 मीटर (कंधे तक)	4,000 – 5,000 किलोग्राम	• अधिकांश नर के लंबे दाँत (Tusks) होते हैं। • प्रजनन काल में 'मस्थ' (Musth) अवस्था में आक्रमक और अधिक सक्रिय। • समूह में स्थायी रूप से नहीं रहते, अधिकतर अकेले या छोटे नर समूह में रहते हैं।
मादा हाथी (Female Elephant – Cow)	2.4 – 2.6 मीटर	2,500 – 3,500 किलोग्राम	• मादाओं में अधिकांश में दाँत (Tusks) नहीं होते। • कभी-कभी छोटे दाँत जैसे संरचना जिसे "टश" (Tush) कहा जाता है, पाई जाती है। • मादाएं हमेशा झुंड (Herd) में रहती हैं, जिसका नेतृत्व सबसे बड़ी मादा करती है। • 20-22 महीने का गर्भकाल, जो स्तनधारियों में सबसे लंबा है।
मखना (Makna) हाथी (ऐसे नर हाथी जिनमें **दाँत (Tusks) नहीं होते**)	2.7 – 3.2 मीटर (कंधे तक)	4,000 – 5,000 किलोग्राम	• आनुवंशिक कारण या स्थानीय आबादी की विशेषता के रूप में दाँत अनुपस्थित। • दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत में अधिक पाए जाते हैं। • दाँत न होने के कारण ये अक्सर **मानव-हाथी संघर्ष** में कम नुकसान करते हैं, लेकिन प्रजनन में सक्षम होते हैं।

हाथियों की वैश्विक जनसंख्या में गिरावट

आवास हानि: तीव्र वनों की कटाई, कृषि विस्तार और शहरीकरण के कारण हाथियों का प्राकृतिक आवास घट रहा है।

अवैध शिकार: हाथीदांत (दांत), खाल और अन्य अंगों के लिए अवैध शिकार सबसे बड़ा खतरा है।

मनुष्य-हाथी संघर्ष: आवास घटने पर हाथी खेतों में घुसते हैं, जिससे फसलों और संपत्ति को नुकसान होता है और प्रतिशोध में हाथियों की हत्या हो जाती है।

जलवायु परिवर्तन: वर्षा के पैटर्न में बदलाव और जल की कमी से भोजन और पानी की उपलब्धता घट रही है।

झुंडों का विखंडन: सड़क, रेलमार्ग और बांध जैसे ढाँचे हाथियों के प्रवासन मार्गों को बाधित करते हैं।

जनसंख्या प्रवृत्ति (लगभग):

अफ्रीकी हाथी: लगभग 1 करोड़ (20वीं सदी की शुरुआत) से घटकर आज ~4.15 लाख।

एशियाई हाथी: लगभग 2 लाख (100 वर्ष पहले) से घटकर आज ~50 हज़ार, जिनमें भारतीय हाथी की हिस्सेदारी 60% से अधिक है।

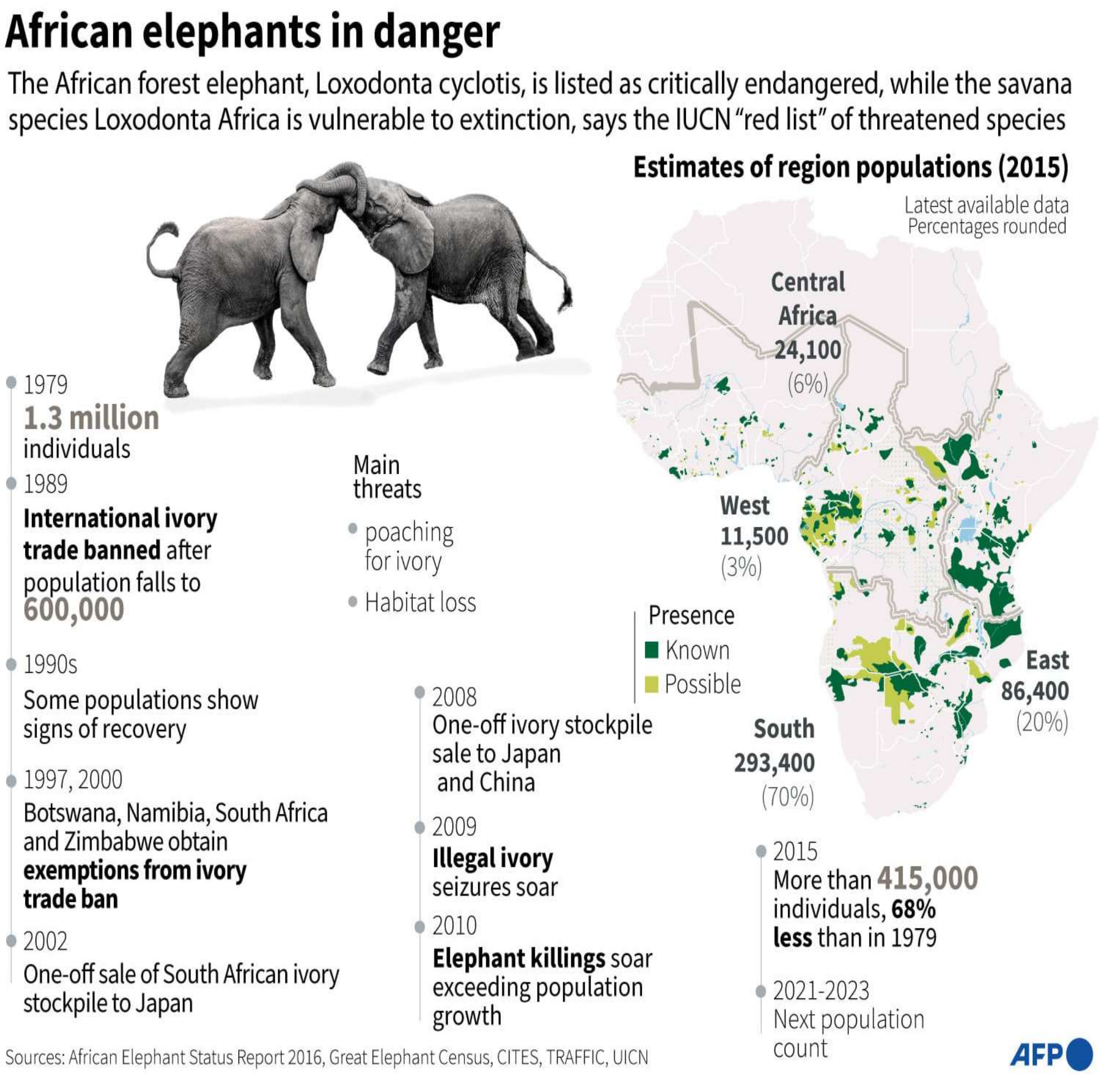

भारत में हाथियों के जनसंख्या की स्थिति

भारत में 2017 के हाथी जनगणना के अनुसार कुल 27,312 हाथी है।

- दक्षिणी क्षेत्र: 14,612 उत्तर-पूर्वी क्षेत्र: 10,139
- मध्य क्षेत्र: 247 उत्तरी क्षेत्र: 2,314

राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश	हाथियों की संख्या (2017)
कर्नाटक	6,049
असम	5,719
केरल	3,054
तमिलनाडु	2,761
ओडिशा	1,976
उत्तराखंड	1,839
मेघालय	1,754
अरुणाचल प्रदेश	1,614
पश्चिम बंगाल	682
झारखंड	679
नागालैंड	446
छत्तीसगढ़	247
आंध्र प्रदेश	65
उत्तर प्रदेश	232
मिज़ोरम	57
बिहार	25

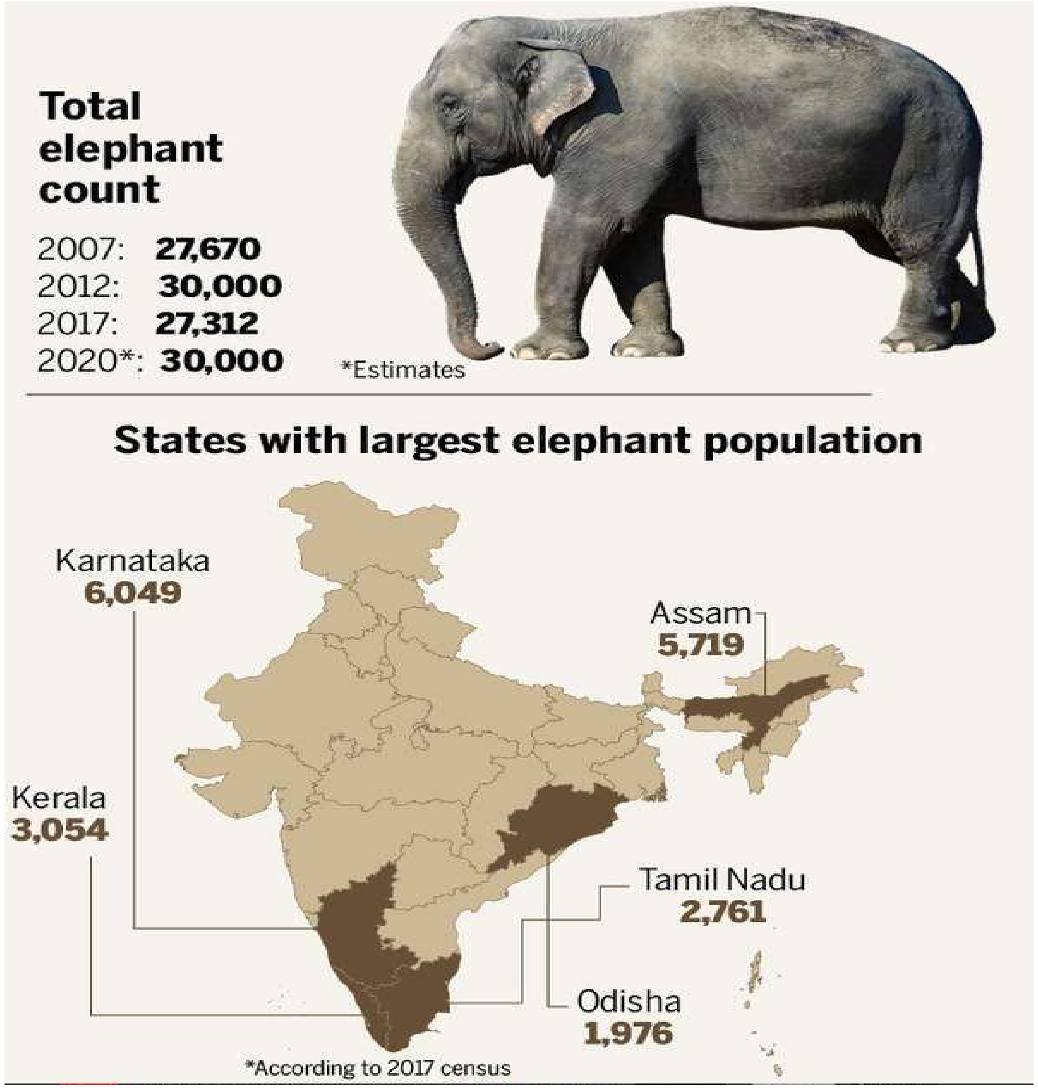

भारत में हाथियों के संरक्षण के प्रयास

1. **प्रोजेक्ट एलीफेंट (Project Elephant) – 1992**
   - **शुरुआत:** फरवरी 1992, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा।
   - **उद्देश्य:**
     - हाथियों और उनके आवास का संरक्षण
     - मानव-हाथी संघर्ष (Human-Elephant Conflict) को कम करना
     - अवैध शिकार और हाथीदाँत व्यापार पर रोक
     - कार्य क्षेत्र: वर्तमान में 16 राज्यों में लागू।

2. **हाथी आरक्षित क्षेत्र (Elephant Reserves)**
   - भारत में 33 से अधिक अधिसूचित हाथी आरक्षित क्षेत्र हैं, जैसे
     - मायूरभंज (ओडिशा)
     - पेरियार (केरल)
     - सिंहभूम (झारखंड)
     - कोर्ग-कोप्पा (कर्नाटक)
   - कुल हाथी आबादी का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए इन क्षेत्रों में विकास गतिविधियों पर नियंत्रण।

3. राष्ट्रीय धरोहर पशु का दर्जा – 2010

4. **कानूनी सुरक्षा**
   - भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I में शामिल — सर्वोच्च कानूनी सुरक्षा।
   - हाथीदाँत और उससे बने सभी उत्पादों का व्यापार वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम व CITES के तहत प्रतिबंधित।

5. **मॉनिटरिंग ऑफ इलिफैंट्स (Monitoring of Illegal Killing of Elephants – MIKE Programme)**
   - CITES के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम।
   - भारत में चयनित स्थल – पेरियार, बंदीपुर, सत्यमंगलम, सुंदरबन आदि।

6. **गज यात्रा (Gaj Yatra) – 2017**
   - वाइल्डलाइफ़ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (WTI) और MoEFCC द्वारा अभियान।
   - उद्देश्य – आम जनता में हाथी संरक्षण की जागरूकता फैलाना।

7. **अन्य पहलें**
   - कॉरिडोर मैपिंग और इको-पासेज का निर्माण
   - हाथियों के कॉरिडोर का संरक्षण और पुनर्स्थापन।
   - रेडियो कॉलरिंग और जीपीएस ट्रैकिंग से निगरानी।
   - सोलर फेंसिंग, ट्रेंच (खाई) निर्माण, मधुमक्खी बॉक्स बैरियर।

प्रोजेक्ट एलिफेंट (Project Elephant)

- प्रोजेक्ट एलिफेंट भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 1992 में शुरू किया गया एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है।
- इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय हाथी की संरक्षा, देखभाल, आवास संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करना है।

उद्देश्य (Objectives)

- हाथियों और उनके प्राकृतिक आवास का संरक्षणमानव-हाथी संघर्ष कम करना (Human-Elephant Conflict Mitigation)
- पालतू/कैद में रखे हाथियों की देखभाल
- वैज्ञानिक अनुसंधान, निगरानी और जनगणना
- जनजागरूकता और सामुदायिक भागीदारी
- हाथी गलियारों (Elephant Corridors) का संरक्षण

प्रमुख कार्य (Major Activities)

- हाथियों की गणना (Elephant Census) हर 4-5 साल में
- Elephant Reserves और उनके Corridors का विकास
- घायल/बीमार हाथियों के लिए राहत शिविर
- रेडियो कॉलर और GPS ट्रैकिंग
- स्कूलों व समुदाय में जागरूकता कार्यक्रम
- माइक्रोचिपिंग द्वारा पालतू हाथियों की पहचान

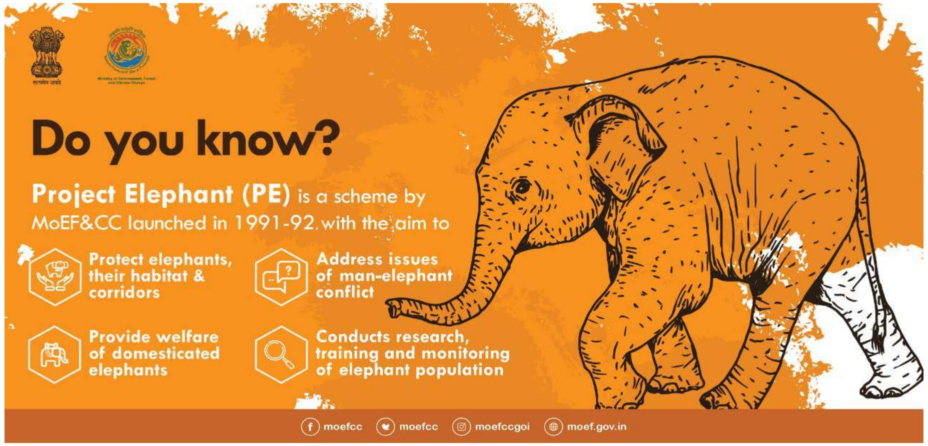

विश्व में हाथियों के संरक्षण के प्रयास

1. **CITES (Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora) – 1975**
    - **भूमिका:** हाथीदाँत और उससे बने सभी उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध।
    - अफ्रीकी और एशियाई हाथियों को **Appendix I** (अत्यधिक संकटग्रस्त) या **Appendix II** में सूचीबद्ध किया गया।

2. **मॉनिटरिंग ऑफ इलिफैंट्स (Monitoring of Illegal Killing of Elephants – MIKE Programme)**
    - CITES के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम।
    - भारत में चयनित स्थल – पेरियार, बंदीपुर, सत्यमंगलम, सुंदरबन आदि।

3. **IUCN African & Asian Elephant Specialist Groups**
    - हाथियों की स्थिति, आबादी, खतरों और संरक्षण रणनीतियों पर वैज्ञानिक शोध और रिपोर्ट तैयार करना।
    - "African Elephant Action Plan" और "Asian Elephant Range States Meeting" जैसी पहलें।

4. **UN Convention on Migratory Species (CMS) – 1979**
    - एशियाई हाथियों को परिशिष्ट I और II में शामिल किया गया।
    - सीमापार संरक्षण और कॉरिडोर निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग।

5. **African Elephant Action Plan – 2010**
    - अफ्रीका के 37 हाथी रेंज देशों द्वारा अपनाया गया।
    - **उद्देश्य:**
        - अवैध शिकार और हाथीदाँत व्यापार पर रोक।
        - आवास संरक्षण और कॉरिडोर प्रबंधन।

6. **Great Elephant Census – 2014–2016**
    - अंतरराष्ट्रीय एरियल सर्वे (हवाई सर्वेक्षण) से अफ्रीका के हाथियों की वास्तविक संख्या का आकलन।
    - 2007 से 2014 के बीच अफ्रीकी हाथियों की आबादी में 30% की गिरावट पाई गई।

7. **Elephant Protection Initiative (EPI) – 2014**
    - अफ्रीका के कई देशों की साझेदारी।
    - उद्देश्य: हाथीदाँत के स्टॉकपाइल को नष्ट करना, अवैध शिकार रोकना और आवास संरक्षण।

8. **विश्व हाथी दिवस (World Elephant Day) – 12 अगस्त**
    - 2012 से मनाया जा रहा है।
    - **उद्देश्य:**
        - हाथियों के सामने आने वाले खतरों पर वैश्विक जागरूकता फैलाना।
        - संरक्षण परियोजनाओं और संगठनों को समर्थन।

विभिन्न मिथकों में हाथी का इतिहास

विभिन्न मिथकों में हाथी का इतिहास अत्यंत रोचक और विविध है, क्योंकि लगभग हर सभ्यता ने हाथी को शक्ति, बुद्धिमत्ता, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना है।

- **भारतीय (हिन्दू, बौद्ध और जैन परंपरा)**
  - **गजानन गणेश** – हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का सिर हाथी का है, जो बुद्धि, सौभाग्य और विघ्नहर्ता के प्रतीक हैं।
  - **ऐरावत** – इंद्र का दिव्य श्वेत हाथी, जो समुद्र मंथन से उत्पन्न हुआ और बादलों, वर्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।
  - **अष्टदिग्गज** – आठ दिशाओं की रक्षा करने वाले आठ दिव्य हाथी, जिनके नाम और दिशाएँ पुराणों में वर्णित हैं।
  - **बौद्ध धर्म में** – बुद्ध की माता मायादेवी ने स्वप्न में एक श्वेत हाथी को देखा, जिसके बाद बुद्ध का जन्म हुआ। यह पवित्रता और दिव्यता का प्रतीक है।
  - **जैन धर्म में** – भगवान महावीर की माता ने भी गर्भधारण से पहले 14 शुभ स्वप्न देखे, जिनमें एक श्वेत हाथी भी शामिल था।
- **दक्षिण-पूर्व एशियाई मिथक**
  - **थाई और लाओ संस्कृति** – सफेद हाथी को राजसत्ता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है।
  - थाईलैंड में सफेद हाथी "रॉयल एलीफैंट" कहलाता है और राजा के पास होना शुभ माना जाता है।
  - **कम्बोडियन लोककथाओं** – हाथी भूमि और शक्ति के रक्षक माने जाते हैं।
- **अफ्रीकी मिथक-**
  - कई अफ्रीकी जनजातियों में हाथी को पूर्वजों की आत्मा, सामुदायिक नेतृत्व और बुद्धिमत्ता का प्रतीक माना जाता है।
  - **लोज़ी जनजाति (जाम्बिया)** – मान्यता है कि हाथी कभी मनुष्य थे, जिन्हें देवताओं ने जंगल की रक्षा के लिए हाथी में बदल दिया।
- **ग्रीक और रोमन उल्लेख**
  - यूनानी यात्री मेगस्थनीज और बाद में रोमन कथाओं में हाथी को विदेशी, शक्तिशाली और युद्ध के लिए प्रयुक्त जानवर के रूप में वर्णित किया गया है।
  - युद्ध में हाथियों के प्रयोग का उल्लेख सिकंदर महान के भारत अभियान और हनिबल की कथा में आता है।
- **अफ़ग़ान-फारसी और इस्लामी परंपरा**
  - **सूरह अल-फ़ील** (क़ुरान) – अब्राहा के हाथियों वाली सेना की कथा, जिसमें अल्लाह ने काबा को बचाने के लिए अबाबील पक्षियों को भेजा।
  - फ़ारसी मिनिएचर चित्रों में हाथी शक्ति और शान का प्रतीक हैं।
- **आधुनिक लोककथाएँ और प्रतीक**
  - हाथी को "लॉन्ग मेमोरी" और बुद्धिमत्ता के प्रतीक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

विश्व हाथी दिवस

World Elephant Day
12-अगस्त

हाथी संबंधित रोचक तथ्य

- हाथी दुनिया का सबसे बड़ा स्थलीय (ज़मीन पर रहने वाला) जानवर है।
- हाथी का बच्चा पैदा होने के समय लगभग 100 किलो का होता है।
- हाथी अपने बड़े कानों का इस्तेमाल शरीर को ठंडा रखने के लिए करते हैं।
- हाथी अपनी सूँड़ से पानी पी सकते हैं और नहा भी सकते हैं।
- हाथी 50 से 70 साल तक जी सकते हैं।
- हाथी बहुत अच्छे तैराक होते हैं और अपनी सूँड़ को साँस लेने के लिए पाइप की तरह इस्तेमाल करते हैं।
- हाथी कभी-कभी अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों को याद रखते हैं — इसलिए इन्हें "लॉन्ग मेमोरी" वाला जानवर कहा जाता है।
- अफ्रीका और एशिया में पाए जाने वाले हाथियों के कानों का आकार अलग होता है — अफ्रीकी हाथियों के कान बड़े और महाद्वीप के नक्शे जैसे होते हैं।

विश्व हाथी दिवस

World Elephant Day

12-अगस्त

हाथी संबंधित रोचक तथ्य

- भारतीय हाथी **एशियाई हाथी** की तुलना में बड़ा, लेकिन अफ्रीकी हाथी से छोटा होता है।
  कान छोटे और गोल, सिर पर दो गुंबद जैसी ऊँचाई (Twin-domed head).
- **हाथी कूद नहीं सकते** – यह एकमात्र बड़ा स्तनधारी है जो कूद नहीं सकता।
- **हाथी का मस्तिष्क बहुत बड़ा होता है** – औसतन 5 किलो का, जो किसी भी स्थलीय जानवर से बड़ा है।
- **हाथी रो सकते हैं, हंस सकते हैं और सपने भी देखते हैं** – उनकी भावनाएँ इंसानों जैसी होती हैं।
- **हाथी की सूंड में 40,000 से अधिक मांसपेशियाँ होती हैं** – इसलिए वह इससे भारी लकड़ी उठा सकते हैं या एक फूल की पंखुड़ी भी।
- **हाथी एक-दूसरे को दूर से पहचान सकते हैं** – वे इन्फ्रासाउंड (बहुत धीमी आवाज़) से 10-15 किलोमीटर दूर तक संचार कर सकते हैं।
- **हाथी अपने मृत साथियों का शोक मनाते हैं** – वे शव के पास रुककर उसे सूंड से छूते हैं।
- **हाथी की त्वचा मोटी होते हुए भी संवेदनशील होती है** – मच्छर के काटने तक का अहसास कर लेते हैं।
- **हाथी हर दिन 150 किलोग्राम तक खाना खा सकते हैं** – और 100 लीटर तक पानी पी सकते हैं।

विश्व हाथी दिवस

World Elephant Day

12-अगस्त

हाथी के व्यवहार से संबंधित रोचक तथ्य

1. सामाजिक संरचना (Social Structure)

- हाथी अत्यधिक सामाजिक जानवर हैं और झुंड (Herd) में रहते हैं।
- झुंड का नेतृत्व सबसे उम्रदराज़ और अनुभवी मादा करती है, जिसे मैट्रिआर्क कहते हैं।
- मादाएँ और बच्चे झुंड में रहते हैं, जबकि वयस्क नर अक्सर अकेले या छोटे बैचलर ग्रुप में रहते हैं।

2. संचार (Communication)

- हाथी ध्वनि, हाव-भाव और कंपन (Infrasound) के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद करते हैं।
- वे ऐसे निम्न-आवृत्ति (Low frequency) वाले स्वर निकालते हैं जिन्हें मनुष्य सुन नहीं पाता, लेकिन अन्य हाथी कई किलोमीटर दूर तक सुन सकते हैं।
- सूँड, कानों और शरीर की मुद्रा से भी संकेत देते हैं।

3. खान-पान का व्यवहार (Feeding Behaviour)

- शाकाहारी (Herbivore) — घास, पत्तियाँ, छाल, फल और जड़ें खाते हैं।
- एक दिन में लगभग 150-200 किलोग्राम तक भोजन और 100-200 लीटर पानी पी सकते हैं।
- सूँड से नाजुक पत्तियाँ तोड़ने से लेकर भारी लकड़ी उठाने तक का काम करते हैं।

4. सामाजिक बंधन और भावनाएँ (Social Bonds & Emotions)

- हाथी अपने परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी भावनाएँ रखते हैं।
- घायल या बीमार साथी की मदद करना, मृत हाथियों के पास रुककर संवेदना व्यक्त करना जैसे व्यवहार देखे गए हैं।
- बच्चों की रक्षा के लिए पूरा झुंड मिलकर काम करता है।

5. प्रजनन और पालन-पोषण (Reproduction & Parental Care)

- मादा हाथी का गर्भकाल लगभग 22 महीने होता है — यह स्तनधारियों में सबसे लंबा है।
- बच्चे का पालन पूरे झुंड की मादाएँ मिलकर करती हैं (Allomothering)।
- नर हाथियों में मस्ट (Musth) नामक अवस्था आती है, जिसमें आक्रामकता और हार्मोन स्तर बढ़ जाता है।

6. रक्षात्मक और आक्रामक व्यवहार (Defensive & Aggressive Behaviour)

- खतरे के समय सूँड उठाकर, कान फैलाकर और दहाड़ जैसी आवाज़ निकालकर डराने की कोशिश करते हैं।
- आक्रामकता आमतौर पर बच्चों या झुंड की रक्षा करते समय होती है।

7. खेल और बुद्धिमत्ता (Play & Intelligence)

- पानी में खेलना, मिट्टी में लोटना, लकड़ी या गेंद से खेलना देखा जाता है।
- उपकरण (जैसे शाखा को पंखा या खुजली करने के लिए) इस्तेमाल करना उनकी बुद्धिमत्ता दर्शाता है।
- वे आत्म-चेतना (Self-awareness) और समस्या सुलझाने की क्षमता रखते हैं।

पटना जू के हाथियों का इतिहास

पटना जू के विगत 50 वर्षों में कुल 5 हाथियों को पटना जू में रखा गया है। वर्तमान में पटना जू में एक मादा हाथी ''लक्ष्मी'' है।

क्र० सं०	हाथी का नाम	नर/ मादा	कहाँ से प्राप्त	पटना जू में कब से	अभियुक्ति
1	माला	मादा	सोनपुर मेला, बिहार से प्राप्त।	1979–80	दिनांक 01.06.2025 को मृत्यु।
2	चंपा	मादा	चम्पारण फॉरेस्ट से प्राप्त।	1980–81	दिनांक 05.10.1996 को मृत्यु।
3	रूपा	मादा	इंडियन सर्कस, कटिहार।	10.07.2003	दिनांक 26.01.2007 को वी. टी.आर., बेतिया भेजा गया।
4	अमृत	नर	इंडियन सर्कस, कटिहार।	10.07.2003	दिनांक 09.03.2007 को वी. टी.आर., बेतिया भेजा गया।
5	लक्ष्मी	मादा	मदनपुर, औरंगाबाद से रेस्क्यू कर लाया गया था।	08.02.2016	वर्तमान में पटना जू में यहीं एक मादा हाथी है।